"हमारे बारे में कुछ भी, हमारे बिना नहीं"

यौन कर्मियों के अधिकारों के लिये फंडिंग

दुनियाभर के समुदायों में यौन कर्मी शोषण और हिंसा को समाप्त करने, उचित और सम्मानजनक स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने और स्थायी परिवर्तन के लिये आंदोलनों का निर्माण करने के लिये संगठित हो रहे हैं। हालाँकि, अपराधीकरण, भेदभाव और सामाजिक कलंक के परिणाम स्वरूप, कुछ गिने–चुने संस्थान ही यौन कर्मियों के अधिकारों के लिये धन देने को तैयार हैं।

यौन कर्मियों के अधिकारों की लड़ाई को फंड क्यों करें?

यौन कर्मियों के अधिकारों को आगे बढ़ाना मानव अधिकारों को बनाये रखने में महत्वपूर्ण है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सिद्धांत और कानूनी उपकरण राज्यों को उन अधिकारों का सम्मान करने, उनकी रक्षा करने और उन्हें पूरा करने के लिये बाध्य करते हैं। यौन कर्मियों के मानव अधिकारों को मान्यता देना उनके काम के संदर्भ में और उससे परे भी उनकी गरिमा और मानवता की पुष्टि करता है।

यौन कार्य कई सामाजिक न्याय संबंधी चिंताओं, जैसे कि नस्लवाद और आर्थिक असमानता के साथ प्रतिच्छेद करता है । यौन कर्मियों को भेदभाव का भी सामना करना पड़ सकता है क्योंकि वे प्रवासी, महिला, ट्रांसजेंडर, समलैंगिक और अन्य पुरुष हैं जो पुरुषों के साथ यौन संबंध रखते हैं, विकलांग या एचआईवी के साथ रहते हैं, या क्योंकि वे ड्रग्स का उपयोग करते हैं ।

यौन कर्मियों के अधिकारों के लिये फंडिंग के महत्वपूर्ण रिप्पल इफेक्ट या ऊर्मि प्रभाव होते हैं:

- यौन कर्मी सामाजिक कलंक, भेदभाव और यौनिकता के अपराधीकरण और शारीरिक स्वायत्तता को चुनौती देने वाले आंदोलनों में सबसे आगे हैं। कई यौन कर्मियों को भेदभाव के अतिव्यापी (ओवरलैपिंग) रूपों का सामना करना पड़ता है क्योंकि वे कई हाशिए के समूहों से संबंधित हैं। उदाहरण के लिये, यदि किसी क्लिनिक या पुलिस स्टेशन को यौन कर्मियों के अधिकारों का सम्मान करने के लिये संवेदनशील बनाया जाता है, तो वे भेदभाव का सामना करने वाले अन्य समूहों – उदाहरण के लिये, महिलायें, एलजीबीटी समुदाय के सदस्य, प्रवासी और नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने वाले लोग – के साथ व्यवहार में सुधार कर सकते हैं।
- यौन कर्मी एचआईवी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में हैं। सामान्य आबादी की तुलना में यौन कर्मियों को एचआईवी होने का खतरा 13 गुना अधिक होता है। यौन कर्मी अधिकार आंदोलन को 2017 में कुल एचआईवी परोपकारी (फिलैन्थ्रोपिक) फंडिंग का लगभग 2% (केवल 13.9 मिलियन डॉलर) प्राप्त हुआ – 2016 से 24% की वृद्धि।

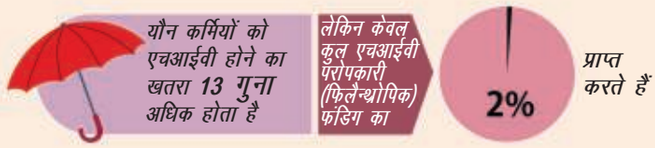

यौन कर्मियों के अधिकारों के लिये वर्तमान फंडिंग

यौन कर्मी अधिकार आंदोलन कुल वैश्विक परोपकारी (फिलैन्थ्रोपिक) मानव अधिकार फंडिंग का 1% से भी कम प्राप्त करते हैं

अधिकांश दानदाता उत्तरी अमेरिका और यूरोप में हैं और अधिकांश प्राप्तकर्ता वैश्विक दक्षिण में हैं।

कुछ दानदाता समुदाय के सदस्यों को फंडिंग प्राथमिकताओं के बारे में निर्णय लेने में शामिल करते हैं।

छापे और बचाव अभियान और पुनर्वास केंद्रों को उदारतापूर्वक फंड किया जाना जारी है लेकिन उनके दृष्टिकोण हानिकारक हैं और यौन कर्मियों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। वे यौन कार्य और तस्करी को साथ जोड़ देते हैं।

"अक्सर 'बचाने' का परिणाम गिरफ्तारी और निर्वासन होता है और यौन कर्मियों को गरीब और निराश छोड़ दिया जाता है। लेकिन वे अब अतिरिक्त सामाजिक कलंक के साथ जीते हैं, क्योंकि अब वे अपने परिवारों और समुदायों के सामने आ चुके होते हैं" (अनाम दानदाता)

किस चीज़ की ज़रूरत है

महिला अधिकार, प्रवासी अधिकार, गरीबी उन्मूलन, हिंसा की रोकथाम सहित विभिन्न अनुदान देने वाले विभागों से यौन कर्मी के नेतृत्व वाले संगठनों के लिये –
अधिकार–आधारित फंडिंग के नियमित स्रोत।

"हम अक्सर सुनते हैं कि समावेश महंगा है। लेकिन बहिष्कार की कीमत क्या है?" (गुमनाम यौन कर्मी अधिकार कार्यकर्ता)।

फंडिंग के लिये एक गैर आलोचनात्मक दृष्टिकोण।
यौन कर्मियों को केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के लक्ष्य समूह या पीड़ित, जिन्हें 'बचाने' की ज़रूरत है, के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

कार्यक्रमों को फंडिंग देने को यौन कर्मियों के जीवन की स्थितियों को सुरक्षित बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसके लिये यौन कार्य के बारे में कोई भी निर्णय सुनाने की ज़रूरी नहीं है।

यौन कर्मी के नेतृत्व वाले संगठनों की महत्वपूर्ण भागीदारी।
इसमें डिज़ाइन, कार्यान्वयन और कार्यक्रमों के मूल्यांकन में परामर्श शामिल है।

"फंडिंग के फैसले लेने में यौन कर्मियों के होने से मदद मिलती है क्योंकि हम समझ पाते हैं कि कौन सी प्रोजेक्ट्स या समूह वास्तव में सकारात्मक बदलाव की दिशा में प्रभावी होंगे। मुख्य बात यह है कि यह हमारा शरीर है, हमारा जीवन है, और हमें प्रभावित करने वाले सभी फैसलों में हमें सबसे आगे होना चाहिए" (रेड अम्ब्रेला फंड की कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य)।

समझें कि तस्करी विरोधी और यौन कर्मी स्वास्थ्य और अधिकार फंडिंग के लिये एक–दूसरे के बिल्कुल अलग क्षेत्र नहीं हैं।

रिसर्च से पता चलता है कि जो यौन कर्मी बिना किसी डर और भेदभाव के अपने अधिकारों को संगठित करने और उन तक पहुँचने में सक्षम हैं, वे अवैध व्यापार को पहचानने और उसके खिलाफ लड़ने के लिये सबसे अच्छी स्थिति में होते हैं।

फंडिंग की शर्तों को चुनौती देना।
उदाहरण के लिये, एड्स राहत के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति की आपातकालीन योजना (PEPFAR) को वेश्यावृत्ति–विरोधी वफादारी की शपथ को चुनौती देना, क्योंकि यह यौन कर्मियों की सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने की क्षमता को नुकसान पहुँचाती है।

आवाज़ उठायें और प्रयास में शामिल होने और उसे बनाये रखने के लिये अधिक फंडर्स को आमंत्रित करें।

नेतृत्व करना

यौन कर्मियों के अधिकारों के लिये नयी तरह की फंडिंग के कुछ उदाहरण

काउंट मी इन!: मामा कैश के नेतृत्व में एक विशेष संयुक्त पहल, जिसमें यौन कर्मी के नेतृत्व वाले रेड अम्ब्रेला फंड, एसोसिएशन फॉर विमेन राइट्स इन डेवलपमेंट, क्रिया संस्था, जस्ट एसोसिएट्स और अर्जेंट एक्शन फंड सिस्टर फंड (जो दुनियाभर में महिलाओं के मानव अधिकार रक्षकों के लिये सहायता प्रदान करते हैं) शामिल हैं।

रेड अम्ब्रेला फंड (आरयूएफ): यौन कर्मियों द्वारा निर्देशित और उनके लिये पहला वैश्विक फंड। आरयूएफ यौन कर्मी अधिकार कार्यकर्ताओं और सामाजिक न्याय के लिये धन देने वालों के बीच एक अनूठा और नवीन सहयोग है। 2012 से, आरयूएफ ने 63 देशों में 123 यौन कर्मियों के नेतृत्व वाले समूहों को 188 अनुदान दिये हैं। इन निवेशों के परिणाम स्वरूप मज़बूत संगठन और नेतृत्व और यौन कर्मी अधिकार आंदोलन और अन्य आंदोलनों के साथ एकजुटता बढ़ी है।

थर्ड वेव फंड: 2018 में, थर्ड वेव फंड ने सेक्स वर्कर गिविंग सर्कल (SWGC) आरंभ किया, जो अन्य फंडों में समुदाय के नेतृत्व वाले अनुदान के साथ–साथ यौन कर्मी समुदायों, खासकर अश्वेत यौन कमियों और ट्रांस और लैंगिक गैर–अनुरूपता वाले यौन कर्मियों के एक–दूसरे की देखभाल करने वाले लंबे इतिहास से प्रेरित है।

यूहाय इशरी (UHAI EASHRI): यौन और जेंडर अल्पसंख्यकों और यौन कर्मी / मानव अधिकारों का समर्थन करने वाला अफ्रीका का पहला स्वदेशी कार्यकर्ता कोश। यूहाय के अनुदान का निर्णय यौन और जेंडर अल्पसंख्यकों और यौन कर्मी आंदोलनों के स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है।

सेक्स वर्क डोनर कोलैबोरेटिव: फंडर्स का एक नेटवर्क जिसका उद्देश्य दानदाताओं को शिक्षित करने के माध्यम से यौन कमियों के अधिकारों का समर्थन करने वाली फंडिंग की मात्रा और गुणवत्ता को बढ़ाना है। कोलैबोरेटिव (सामूहिक संस्था) उस फंडिंग की भी पैरवी करता है जो यौन कर्मियों के लिये सुलभ हो और उनकी प्राथमिकताओं के साथ–साथ लचीली, निरंतर और लंबी अवधि के लिये उत्तरदायी हो। *https://www.sexworkdonorcollaborative.org/members*

संदर्भ: Advancing Human Rights (2019). "Annual Review of Global Foundation Grantmaking 2016 Key Findings". Funders Concerned About AIDS (2017). "Annual report Philanthropic Support to Address HIV/AIDS". Global Alliance Against Traffic in Women (2018) "Sex Workers Organising for Change: Self-representation, community mobilisation, and working conditions". Open Society Institute (2006). "Sex Worker Health and Rights: Where is the Funding?". The Red Umbrella Fund, Mama Cash and the Open Society Foundations (2014). "Funding for sex worker rights". UNAIDS (2018) "Miles to go: closing gaps, breaking barriers, fighting injustices".

count me IN! | awid | crea | Red Umbrella Fund | Urgent Action Fund Africa | mama cash | JASS Just Power